इस्लाम में रोल मॉडल (2 का भाग 1): मुसलमानों की पहली पीढ़ी

रेटिंग:

विवरण: ??? ???? ?? ??? ???? ??? ????? ??? ?? ???? ????? ???; ?? ????? ???? ????????? ????? ?? ????????? ?? ?????? ?? ?????? ???? ???? ????? ???? ?? ?? ???????? ??? ?? ??? ????? ??? ?? ???? ????? ???, ??????? ??? ???????? ????? ??? ?????? ??? ??? ??????? ??? ?? ???? ???? ????????? ?? ???? ?????, ?????? ?? ????? ?? ?????, ??????? ?? ????? ???????? ????? ?? ??? ???? ???[1]? ?? ???? ??? ??? ?? ????? ?????? ?? ?? ??? ?? ????? ?? ?? ????? ??????? ??? ???? ?? ??? ???? ?? ?????? ?? ???? ?? ????????

श्रेणी: पाठ › बढ़ती आस्था › आस्था बढ़ाने के साधन

द्वारा: Aisha Stacey (© 2012 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य:

- रोल मॉडल के महत्व को समझना।
- पैगंबर मुहम्मद के साथियों के सर्वोत्तम गुणों के बारे में जानना।

अरबी शब्द:

- *?????* - "सहाबी" का बहुवचन, जिसका अर्थ है पैगंबर के साथी। एक सहाबी, जैसा कि आज आमतौर पर इस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह है जिसने पैगंबर मुहम्मद को देखा, उन पर विश्वास किया और एक मुसलमान के रूप में मर गया।
- *????* - आस्था, विश्वास, या दृढ़ विश्वास।
- *??????* - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, किया या करने को कहा।
- *?????* - मुस्लिम समुदाय चाहे वो किसी भी रंग, जाति, भाषा या राष्ट्रीयता का हो।

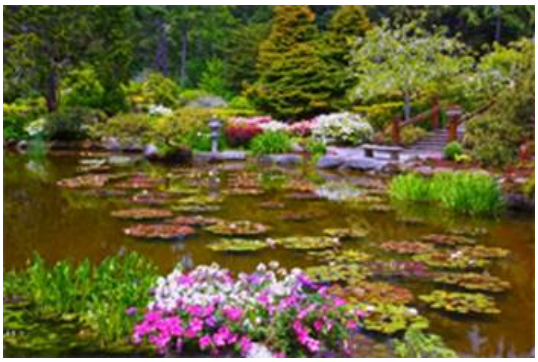

यह अनुमान लगाया गया है कि सभी मानव व्यवहारों में से 95% तक रोल मॉडल को देखकर सीखा जाता है। हालांकि, भले ही यह केवल आंशिक रूप से सच हो, अपने और अपने बच्चों के लिए सकारात्मक रोल मॉडल चुनना एक बहुत अच्छा विचार है। अफसोस की बात है कि आज के 24/7 मीडिया संतृप्त वातावरण में हम एक रोल मॉडल और एक हीरो के बीच अंतर करने की कोशिश किए बिना खेल और मनोरंजन के क्षेत्र से रोल मॉडल चुनने की अधिक संभावना रखते हैं। एक हीरो वह होता है जिसकी आप शायद उसकी खेल कौशल या उसकी शानदार अभिनय क्षमता के लिए प्रशंसा करते हैं, लेकिन क्या वे उस तरह का जीवन जीते हैं जिसका हमें अनुकरण करना चाहिए? दूसरी ओर, रोल मॉडल वे लोग होते हैं जिनके पास वे गुण होते हैं जो हम अपनाना चाहते हैं और ऐसे लोग जो हमें इस तरह प्रभावित करते हैं कि हम बेहतर इंसान बनना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, वह रोल मॉडल ही होते हैं जिनसे हम सीखते हैं कि जीवन की समस्याओं से कैसे निपटना है।

आस-पास के लोगों से और जिनकी तरह हम बनना चाहते हैं उनसे हमारा प्रभावित होना आसान है। उनके बारे में जाने बिना उनके तौर-तरीकों और गुणों को अपनाना आसान होता है। अगर ये अच्छे गुण होते हैं तो अच्छी बात है, लेकिन क्या होगा अगर जिन लोगों को आप अपना आदर्श मानते हैं वो आपको अल्लाह की याद से दूर कर दें? यह एक आपदा हो सकती है। सौभाग्य से इस्लामी इतिहास अद्भुत रोल मॉडल से भरा हुआ है - पुरुष, महिलाएं और बच्चे - जिनसे हम महान माता, पिता, शिक्षक, मित्र, छात्र, आदि बनना सीखते हैं। अच्छी नैतिकता और शिष्टाचार, दृढ़ संकल्प, इच्छा शक्ति और उच्च नैतिक मानक का सकारात्मक प्रदर्शन दूसरों को इन सकारात्मक गुणों का अनुकरण करने में मदद करते हैं।

इस्लाम के अनुसार, सबसे अच्छे इंसान पैगंबर हैं। उनके बाद, सबसे अच्छे इंसान पैगंबरो के साथी, शिष्य और अनुयायी हैं। बेशक किसी भी स्थिति में अनुकरणीय व्यवहार का सबसे बड़ा उदाहरण स्वयं पैगंबर मुहम्मद हैं। हम उनकी प्रामाणिक परंपराओं (सुन्नत) से जानते हैं कि उनका चरित्र क़ुरआन के अनुसार था, जिसका अर्थ है कि उन्होंने अपने जीवन का सभी कार्य क़ुरआन के अनुसार किया। जब हम रोल मॉडल की तलाश करें तो हमें पैगंबर और इस्लाम के शुरुआती दिनों के उनके आस पास के लोगों के अलावा किसी और को देखने की जरूरत नहीं है। दरअसल, जब हम सहाबा का अनुसरण करते हैं तो इसका मतलब है कि हम पैगंबर मुहम्मद का अनुसरण कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने पैगंबर से ही इस्लाम सीखा है। वास्तव में उनके गुण अनेक हैं; क्योंकि उन्होंने ही इस्लाम का समर्थन किया और आस्था का प्रसार किया, युद्ध मे पैगंबर के साथ रहे, और क़ुरआन, सुन्नत और इस्लामी नियमों को फैलाया। उन्होंने अल्लाह के लिए अपनी और अपने धन की कुर्बानी दी। हम उनसे प्यार करते हैं

क्योंकि वे अल्लाह और उसके दूत से प्यार करते थे।

पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "सबसे अच्छे लोग मेरी पीढ़ी के हैं, फिर वो जो इनके बाद आएंगे, फिर वो जो उनके बाद आएंगे।"[2] सभी सहाबा का व्यक्तित्व, पृष्ठभूमि, मानसिकता, दृष्टिकोण या पसंद एक समान नही था। वे सभी अलग थे; हालांकि वे इस्लाम पर एकजुट थे। मुसलमान होने के नाते हम सब भी एक जैसे नहीं हैं। हम प्रत्येक सहाबा से अलग सबक लेने में सक्षम हैं; हम उनके अनुभवों से सीख सकते हैं। कुछ कोमल थे, अन्य सख्त थे; कुछ विद्वान पुरुष और महिलाएं थीं, जबकि अन्य अनपढ़ थे। कुछ सहाबी गरीब थे जबकि अन्य अपने समय के करोड़पति और अग्रणी उद्यमी थे। यह अल्लाह की दया ही है कि उसने हमें व्यवहार, चरित्र और आचरण के लिए कई रोल मॉडल दिए हैं। आइए हम पैगंबर मुहम्मद के दो सबसे करीबी साथिओं के बारे मे जानें।

अबू बक्र

अबू बक्र एक सफल व्यापारी थे जो अपनी ईमानदारी और दयालुता के लिए प्रसिद्ध थे। वह इस्लाम में परिवर्तित होने वाले पहले वयस्क व्यक्ति थे, और उन्होंने पैगंबर मुहम्मद के संदेश को तुरंत स्वीकार किया था। पैगंबर मुहम्मद ने कहा कि अगर वह अबू बक्र के ईमान को तौलते हैं तो यह पूरी उम्मत से अधिक होगा। अबू बक्र ने हर प्रकार की पूजा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और उन्हें "अस-सब्बाक" के रूप में जाना जाता था, जिसका अर्थ है हर प्रतियोगिता में जीतने वाला। उमर इब्न अल-खत्ताब ने एक बार अबू बक्र से आगे निकलने की उम्मीद में अपनी संपत्ति का आधा हिस्सा तबुक की लड़ाई के लिए दान कर दिया था, लेकिन उन्हें बाद मे पता लगा कि अबू बक्र ने पहले ही अपना पूरा हिस्सा दान कर दिया है। अबू बक्र कोमल हृदय और दयालु थे। वह गरीबों के साथ सहानुभूति रखते थे और दुखी लोगों पर दया करते थे और क़ुरआन पढ़ते समय रोते थे।

उमर इब्न अल-खत्ताब

उमर इब्न अल-खत्ताब इस्लाम के सबसे बड़े विरोधियों में से थे जो बाद मे कट्टर विश्वासियों में से एक हो गए। उमर इस्लामी दुनिया में एक अग्रणी व्यक्ति थे। वह एक नेता, एक राजनेता, एक धर्मपरायण और ईश्वर के प्रति जागरूक मुस्लिम थे, जिन्होंने गैर-मुस्लिमों सहित सभी व्यक्तियों को सम्मान दिया और उन्होंने मुसलमानों को गैर-मुस्लिमों के साथ सम्मान से व्यवहार करने का आदेश दिया। उन्होंने हमें दिखाया कि क़ुरआन के आदेश (धर्म में कोई बाध्यता नहीं है) को कैसे लागू किया जाए। उमर अपनी ताकत और शक्ति के लिए जाने जाते थे और उन्होंने अपनी ताकत, बुद्धि और दूरदर्शी ज्ञान का इस्तेमाल इस्लाम के और मुसलमानों के सशक्तिकरण के लिए किया। पैगंबर मुहम्मद ने उमर को "अल-फारूक" की उपाधि दी, जिसका अर्थ है अच्छाई और बुराई के बीच का मानदंड।

फुटनोट:

[1] इस लेख के कुछ हस्सिों को http://muslimmatters.org/2012/01/02/find-your-role-model-in-the-sahabah/ पर संग्रहीत बहुत ही उत्कृष्ट लेख से लिया गया है।

[2] ???? ???????

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/145

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।